न्यायालय
प्रकरण बनाम
मुकदमा नं.

20/8/24	पत्रावली पेश हुई। वकील/ उभयपक्ष हाजिर। पीठासीन अधिकारी आज अन्य कार्य में व्यस्त है। पत्रावली पूर्वादेशानुसार दिनांक 28/11/24 को पेश हो।	
28/11/24	पत्रावली पेश। अधि. प्रार्थी हाजिर। बहस अधि. प्रार्थी एकपक्षीय सुनी गई। बहस पर मनन किया गया एवं पत्रावली पर उपलब्ध दस्तावेजों का अवलोकन किया गया। बहस मुताबिक आवेदन रहा। विवादित भूमि में प्रार्थीगण के हित निहित है। विवादित भूमि के रिकॉर्ड की यथास्थिति में परिवर्तन होने पर प्रार्थीगण के हित प्रभावित हो सकते है। अत: अप्रार्थीगण को विवादित भूमि के रिकॉर्ड की यथास्थिति बनाये रखे जाने बाबत पाबन्द किया जाना उचित है। अत: प्रार्थना-पत्र प्रार्थीगण को स्वीकार किया जाता है तथा अप्रार्थीगण को जरिये अस्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द किया जाता है कि वे तादौराने वाद विवादित भूमि ख.नं. 243, 249, 250, 251 कुल किता 04 कुल रकबा 7.0300 हैक्टर वाके ग्राम मलकेड़ा पटवार हल्का मलकेड़ा तहसील व जिला सीकर की भूमि पर विवादित रिकॉर्ड की यथास्थिति बनाये रखें। पत्रावली फैसला शुमार होकर नम्बर से कम हो। दाखिल दफ्तर हो। निर्णय आज मेरे हस्ताक्षर से सुनाया गया। उपखण्ड अधिकारी, सीकर	

ल्डे दाखिल
...दफ्तर
...वद 2000
र।
...ल हुए
...ना है।
...तरफा
वास्ते
...2.04.23